शुक्रवार
17 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

सुबह के नाश्ते में इन बीजों का करें सेवन, स्वास्थ्य को मिलेंगे कई लाभ

पृष्ठ 5

फिल्म टाइगर 3 में तौलिए वाला दृश्य शूट करना काफी मुश्किल था: कैटरीना कैफ

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 275
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

श्रेष्ठ वही है जिसके हृदय में दया व धर्म बसते हैं, जो अमृतवाणी बोलते हैं और जिनके नेत्र विनय से झुके होते हैं।

– संत मलूकदास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मैक्स खाई में गिरी 7 लोगों की मौत, चार गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक मैक्स वाहन के खाई में गिर जाने से जहां सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं चार लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाते हुए मृतकों व घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया जहां घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओखलकांडा ब्लॉक में आज सुबह एक मैक्स अनियंत्रित होकर 800 मीटर गहरी खाई में जा गिरी, जिसमें 10 से अधिक लोग सवार थे। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह मैक्स कार अधौडा से हल्द्वानी को आ रही थी और मैक्स जिसमें सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये जिनको हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। घायलों को स्थानीय लोग रेस्क्यू कर सड़क तक पहुंचा रहे हैं । वहीं पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचा है और रेस्क्यू अभियान में जुटा हुआ है।

मृतकों में धनी देवी उम्र 38 वर्ष पत्नी रमेश पनेरु, तुलसी प्रसाद उम्र 35 वर्ष पुत्र रमेश चंद्र, रामा देवी उम्र 36 वर्ष पत्नी तुलसी प्रसाद, योगेश पनेरू उम्र 6 वर्ष पुत्र तुलसी प्रसाद, देवी दत्त उम्र 45 वर्ष पुत्र ईश्वरी दत्त, नरेश पनेरु उम्र 26 वर्ष पुत्र पूरन पनेरु, तरुण पनेरु उम्र 5 वर्ष पुत्र तुलसी पनेरु शामिल है। वहीं घायलों के नाम रमेश पनेरु उम्र 36 वर्ष पुत्र लाल मणि वाहन चालक, शिवराज सिंह उम्र 25 वर्ष पुत्र कुंवर सिंह, नवीन सिंह उम्र 20 वर्ष पुत्र कुंवर सिंह, हेमचंद्र पनेरू उम्र 46 वर्ष पुत्र किशन चंद्र बताये जा रहे है।

रेस्क्यू कार्य में फिर आई रुकावट

❑24 मीटर तक पाइप बिछाया, सभी मजदूर सुरक्षित
❑इंदौर से मंगाई जा रही है एक और मशीन
❑छठे दिन भी काम में नहीं हुई कोई खास प्रगति

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। दीपावली से सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों की जान बचाने के लिए युद्ध स्तर पर चलाये जा रहे बचाव व राहत कार्य में बार-बार बाधाएं आने से मंजिल तक पहुंच पाना मुश्किल होता जा रहा है। आज हादसे के छठे दिन दिल्ली से मंगाई गई हाई पावर वाली आगर ड्रिल मशीन के रास्ते में कोई ठोस चट्टान या मलबे में दबी मशीन के आ जाने के बाद ड्रिलिंग का काम रुका रहा और अब इंदौर से एक और आगर मशीन मंगवाने की बात कही जा रही है।

ड्रिलिंग का काम 24 मीटर तक हो चुका है काम क्यों रुका हुआ है इसकी पुख्ता जानकारी किसी के भी द्वारा नहीं दी जा रही है। कभी मशीनों को थोड़ा रेस्ट देने की बात कही जाती है तो कभी मशीन के रास्ते में ठोस चट्टान या फिर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

घोर लापरवाही: सुरंग में 40 नहीं 41 मजदूर फंसे हुए हैं

●उदय सिंह (कोटद्वार) 41वां श्रमिक
●कंपनी की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग हादसे के 6 दिन बाद इस बात का पता लग सका है कि सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों की संख्या 40 नहीं 41 है। अब तक इस दुर्घटना में 40 श्रमिकों के सुरंग में फंसे होने की बात कही जा रही थी यह अत्यंत ही घोर लापरवाही है। जब कंपनी द्वारा सुरंग में काम कर रहे मजदूरों की सही संख्या तक की सही जानकारी नहीं रखी जा सकती है तो काम क्या सही हो सकता है।

कोई निर्माण कंपनी अपने सभी कर्मचारियों का पूरा ब्यौरा तो रखती ही है इसके लिए भी बाकायदा रजिस्टर बनाया जाता है कि किस

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ की टीम पर नक्सली हमला

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में आज दूसरे और अंतिम चरण के लिए 70 सीटों पर मतदान हो रहा है। इस बीच धमतरी में सीआरपीएफ की टीम पर नक्सली हमला हुआ है। गस्त पर निकले सीआरपीएफ और डीआरजी की टीम पर नक्सलियों ने एक के बाद एक आईईडी ब्लास्ट किए। इस दौरान बाइक में सवार 2 सीआरपीएफ जवान बाल-बाल बचे।

सुरक्षाबलों की टीम मतदान दल को सुरक्षा प्रदान करने निकली थी। मौके पर दो आईईडी होने की पुष्टि हुई है। नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए यह ब्लास्ट किया गया था। कल ही नक्सलियों के द्वारा मतदान बहिष्कार के बैनर-पोस्टर लगाए गए थे। इसे देखते हुए चुनाव आयोग द्वारा नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। राज्य के कुल 90 में विधानसभा सीटों में से 70 सीटों के लिए आज दूसरे चरण में मतदान हो रहा है। इससे पहले 20 सीटों पर पहले चरण में वोटिंग हुई थी। राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद बस्तर में कई स्थानों से चुनाव बहिष्कार के आह्वान से संबंधित नक्सली बैनर और पर्चे बरामद किए गए थे।

कुलगाम में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को किया ढेर

जम्मू। दक्षिण कश्मीर स्थित कुलगाम के डी एच पोरा में सुरक्षा बलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया है। सूत्रों की मानें तो अभी भी क्षेत्र में 2 और आतंकी फंसे हुए हैं। फिलहाल दोनों ओर से गोलीबारी जारी है। अभी तक आतंकवादियों के शव बरामद नहीं हुए हैं।

सेना को क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने पर कल दोपहर में सर्च ऑपरेशन चलाया था। इसके बाद अचानक आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी थी। इसके बाद से ऑपरेशन जारी था। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में डीएच पोरा इलाके में रात की शांति के बाद आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी फिर से शुरू हो गई। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि ऑपरेशन पूरी रात स्थगित रहा और आज सुबह पहली किरण के साथ फिर से शुरू कर दिया गया है। कल, क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष इनपुट मिलने के बाद समनो में आतंकवादियों के एक समूह और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम के बीच भीषण गोलीबारी हुई। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में पिछले महीने ईदगाह क्षेत्र में आतंकी ने पुलिस इंस्पेक्टर की 3 गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। इंस्पेक्टर की पहचान मसरूर अली वानी के रूप में हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने ली थी। जब हमला हुआ तब इंस्पेक्टर स्थानीय युवकों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे। जम्मू-कश्मीर में 13 सितंबर को हुए आतंकी हमले में 3 अफसर और 2 जवान शहीद हो गए थे। आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर उस समय गोली चलाई जब वे सर्च ऑपरेशन चला रहे थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

राजनीति का बाजारीकरण

बीते एक दशक में भारतीय राजनीति का जिस तेजी के साथ बाजारीकरण हुआ है वह न सिर्फ देश के लोकतंत्र के लिए चिंतनीय विषय है बल्कि देश की राजनीति के लिए भी अत्यंत घातक सिद्ध होने वाला है। वर्तमान समय में देश के पांच राज्यों में चुनावी प्रक्रिया गतिमान है। इन राज्यों के चुनावों में सत्ता प्राप्ति के लिए राजनीतिक दलों में चुनावी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की जैसी होड़ देखी जा रही है वैसी शायद इससे पहले कभी नहीं देखी गई। जिस तरह से बाजार में अपने उत्पादों को बेचने के लिए एक के साथ एक फ्री की स्कीमें लाई जाती है ठीक वैसे ही यह राजनीतिक दल आम आदमी को एक दूसरे से कम दामों में या फिर मुफ्त में सेवाएं उपलब्ध कराने के वायदे और दावे कर रहे हैं। आम जनता अब इन वायदे और दावों के बीच इस कदर कंफ्यूज है कि उसे यह गणित लगाना भी मुश्किल हो रहा है कि किस दल के सत्ता में आने पर उसे कितने रुपए महीने या साल में कितने रुपए कम या अधिक फायदा होगा। उदाहरण के तौर पर आप ऐसे समझ सकते हैं कि राजस्थान की गहलोत सरकार जो 500 रूपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराती आई थी उसके सापेक्ष अब भाजपा 450 रुपए में सिलेंडर देने का वायदा जनता से कर रही है। मध्य प्रदेश में तो इन मुफ्त की रेवड़ियों का घोषणाओ में भाजपा की शिवराज सरकार ने तमाम रिकॉर्ड तोड़ कर रख दिए। गरीबों को पक्के मकान से लेकर लड़कियों की शादी के लिए दो लाख मुफ्त तथा 5 साल तक गरीबों को ही नहीं 60 फीसदी आबादी को मुफ्त राशन से लेकर किसानों को हर माह 2000 नगद और न जाने क्या-क्या। सवाल यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो पिछले तमाम चुनावों में जनता को मुफ्त की रेवड़ियां बांटने वालों से बच के रहने की नसीहत देते रहे थे वह अब अपनी पार्टी के द्वारा सबसे ज्यादा मुफ्त की दुकान खोले जाने पर क्यों खामोश है? सच यह है कि मोदी सरकार ने केंद्रीय सत्ता में आने के बाद से ही मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की राजनीति शुरू कर दी गई थी। लेकिन अब तक यह खेल परोक्ष रूप से संचालित किया जा रहा था जो अब प्रत्यक्ष हो चुका है। इसका उदाहरण वह प्रधानमंत्री मुफ्त गरीब राशन योजना है जिसे कोरोना काल में इसलिए शुरू किया गया था कि इस आपदा काल में कोई गरीब भूखा न सोये। लेकिन इस योजना को पहले मार्च 2024 और अब 5 साल आगे तक जारी रखने की घोषणा इस बात का सबूत है कि मुफ्त की रेवड़ियां दोनों हाथों से इसलिए बांटी जा रही है क्योंकि यह चुनावी टूल बन चुकी है आम जनता के अंदर अगर यह अवधारणा बन चुकी है कि पहले की सरकारों ने कभी किसी को कुछ दिया था क्या? कम से कम मोदी सरकार सब को कुछ न कुछ दे तो रही है यह धारणा मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने से ही बनी है। भले ही इन मुफ्त की रेवड़ियों के चलन को न्यायपालिका लोकतंत्र के लिए घातक बताकर उसे पर चिंता जता रही हो या फिर चुनाव आयोग जो इसे रोकने में नाकाम साबित हो रहा है। राजनीति के इस बाजारीकरण ने लोकमत के महत्व को समाप्त कर दिया है। डिजिटल दौर में इसका प्रचार भी इतना आसान हो गया है कि राजनीतिक दलों व नेताओं को ज्यादा कुछ करने की भी जरूरत नहीं रह गई है। जनता का हाल भी यह है कि 'अल्लाह दे रहा है खाने को, तो कौन जाए कमाने को' लेकिन इसके दूरगामी परिणाम अत्यंत ही घातक होंगे इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

घोर लापरवाही: सुरंग में 40 नहीं..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

शिफ्ट में कौन-कौन श्रमिक है तथा कितने उपस्थित हैं और कितने गैर हाजिर। इस हादसे के बाद कंपनी से जो अधिकृत जानकारी दी गई उसमें 40 मजदूरों के सुरंग में कार्यरत होने व फंसने की बात बताई गई जो सभी समाचारों व टीवी चैनलों पर भी प्रकाशित किया गया इसमें कर्मचारियों के नाम व पते तक बताई गई थी, जिसके आधार पर यह बात सामने आई थी कि किस राज्य के कितने मजदूर सुरंग में फंसे हुए हैं। इस सूची में कुल 40 लोगों के नाम थे जिसमें 15 सबसे अधिक झारखंड के थे, वहीं यूपी के आठ व उत्तराखंड के दो लोगों के नाम थे लेकिन अब उत्तराखंड के कोटद्वार निवासी उदय सिंह के भी सुरंग में फंसे होने की बात सामने आई है इसका खुलासा उदय सिंह के परिजनों के दुर्घटना स्थल पर पहुंचने पर हो सका है। ऐसे में अब यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या सुरंग में कुछ और लोग भी फंसे हो सकते हैं जिनकी जानकारी नहीं दी गई है।

आदीं हंसो यथा गणं विश्वस्यावीवशन्मतिम्।
अत्यो न गोभिरज्यते।।

(ऋग्वेद ९-३२-३)

जिस प्रकार एक हंस अपने झुंड के साथ मिलकर चलने का प्रयास करता है। जिस प्रकार एक घोड़ा लगाम से नियंत्रित होता है। उसी प्रकार आत्मा मन, बुद्धि और इंद्रियों को मुक्ति की ओर केंद्रित कर के चलने का प्रयास करती है।

ऑनलाइन व्यापार खरीदारी के विरोध में रेडी पटरी के लघु व्यापारी चलाएंगे बड़ा आंदोलनः चोपड़ा

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। विगत वर्षों से लगातार ऑनलाइन खरीदारी व्यापार से नुकसान झेल रहे रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों ने ऑनलाइन व्यापार के विरोध में प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में प्रथम बेंडिंग जोन के प्रांगण में बैठक का आयोजन कर ऑनलाइन व्यापार का पुरजोर विरोध किया। रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की ऑनलाइन व्यापार पर पूर्ण तरीके से प्रतिबंधित कर सामान्य व्यापार को ही संरक्षित किए जाने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया।

इस अवसर पर लघु व्यापार संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा जब से ऑनलाइन खरीदारी व्यापार किया जाने लगा है तब से सबसे ज्यादा ऑनलाइन खरीदारी से रेडी पटरी का (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारी प्रभावित हो रहा है जो की चिंता का विषय है। उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकारों की और से (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को बढ़ावा दिए जाने के लिए नई योजनाएं बनाई जानी चाहिए ताकि देश का रेडी पटरी का स्ट्रीट वेंडर्स खुशाल रहकर अपने परिवार की जीविका का संचालन करता रहे। संजय चोपड़ा ने कहा शीघ्र ही ऑनलाइन व्यापार खरीदारी के विरोध में जन समर्थन अर्जित कर एक बड़ा आंदोलन चलाया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते लघु व्यापारियों में मनोज मंडल, राजकुमार एंथोनी, जय सिंह बिष्ट, मोहनलाल, सचिन राजपूत, प्रभात चौधरी, वीरेंद्र कुमार, श्यामजीत, अनूप सिंह, पवन कुमार, तस्लीम अहमद, आजम अंसारी, यामीन अंसारी, नईम सलमानी, सोनू, पूनम माखन, नम्रता सरकार, पुष्पा देवी, सीमा देवी, कामिनी मिश्रा, सुनीता चौहान आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

हनुमंतपुरम विकास मंच की कार्यकारिणी भंग

ऋषिकेश (सं)। हनुमंतपुरम विकास मंच गंगानगर के अध्यक्ष केके सचदेवा ने मंच की कार्यकारणी को भंग कर दिया है। आज यहां हनुमंतपुरम विकास मंच, गंगानगर ऋषिकेश के अध्यक्ष के के सचदेवा ने मंच की कार्यकारिणी भंग कर दी है। उक्त जानकारी देते हुए मंच के महामंत्री अतुल गुप्ता ने बताया की अध्यक्ष के के सचदेवा ने मंच की कार्यकारिणी भंग कर दी है। महामंत्री गुप्ता ने बताया सचदेवा के अनुसार शीघ्र नई कार्यकारिणी, पदाधिकारी व सदस्यो का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया जब तक नई कार्यकारणी का गठन नहीं हो जाता तब तक मंच की यही कार्यकारणी मंच का कार्य करेगी। महामंत्री अतुल गुप्ता ने बताया कोषाध्यक्ष हरीश गुलाटी द्वारा आय व्यय का ब्यौरा भी मंच की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

चोरी के नल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मॉल से नल चोरी करने वाले को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 अक्टूबर को प्रदीप सिंह पुत्र कलम सिंह निवासी टाइम स्क्वायर मॉल, सहस्त्रधारा रोड, थाना रायपुर देहरादून द्वारा एक लिखित तहरीर दी गई की टाइम स्क्वायर मॉल में लगे जगवार कंपनी की टोन्टी, नल पीतल के ढक्कन आदि सामान चोरी हो गए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासे हेतु गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर घटनास्थल के आस-पास लगे लगभग 25 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का अवलोकन किया गया एवं सीसीटीवी फुटैज के अवलोकन व साक्ष्य संकलन के आधार पर 16 गत दिवस को सीक्यूआई तिराहे के पास से प्रभात पुत्र सुरेंद्र शाह निवासी गोविंद नगर सहस्त्रधारा रोड थाना राजपुर को गिरफ्तार किया गया व आरोपी की निशानदेही पर सीक्यूआई तिराहे के पास से चोरी के माल को बरामद किया गया।

पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वह पुताई का काम करता है और इसी की आड में टोन्टी व अन्य सामान चोरी कर कबाडी को बेच देता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान गौरा देवी चौक पर एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया।

तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी की डिग्गी से 40 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताद में उसने अपना नाम देव राजपूत पुत्र भानू प्रकाश निवासी आवास विकास बताया। वहीं पुलिस ने विस्थपित तिराहा के पास से एक व्यक्ति को 52 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम ऋषि कुमार निवासी कृष्णा नगर आईडीपीएल बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एक और स्वर्ण पद एनएनडेल पब्लिक स्कूल के नाम

संवाददाता

देहरादून। एसएफए चैम्पियनशीप में एनएनडेल पब्लिक स्कूल के अनुराग ने स्वर्ण पदक जीता।

आज यहां एनएनडेल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य आनन्द ने कहा कि एक और विद्यार्थी अनुराग कक्षा 7, ने एस.एफ.ए. चैपियनशिप में स्वर्ण पद जीत कर विद्यालय तथा अपने माता-पिता का नाम रौशन किया, इसका आयोजन 14 नवम्बर 2023 को तपोवन के पी. आर. डी. ग्राउड में हुआ था। उन्होंने अनुराग को जूडो के क्षेत्र मे मार्ग दर्शन करके उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि उसे अग्रपथ पर बढ़ने के लिए विद्यालय प्रोत्साहित करेंगा। वह सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह ऐसे खिलाड़ी को राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक खेलने के लिए आपना योगदान दे ताकि अनुराग जैसे होनहार खिलाड़ी उभरकर देश के सामने आए तथा अपने राज्य तथा राष्ट्र का नाम

रौशन करे। अनुराग को स्कूल के प्राचार्य आनंद की तरफ से सम्मानित किया गया। इस अवसर वी.एस. रावत तथा समस्त अध्यापक तथा अध्यापिकाएँ सम्मिलित हुए तथा अपना आशीर्वाद देकर उसकी उज्जवल भविष्य की कामना की।

पिम्पल्स की प्रोब्लम से छुटकारा दिला सकते हैं ये टिप्स, ट्राई करके देखें

रोमछिद्र के बंद हो जाने से अक्सर चेहरे पर दाग-धब्बे पड़ जाते हैं या पिंपल हो जाते हैं, लेकिन दालचीनी और शहद के इस्तेमाल से इन समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। स्किनडॉर इंडिया की प्रमुख प्रशिक्षक प्रियंका त्यागी ने चेहरे के दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए ये सुझाव दिए हैं :

बेकिंग सोडा सिर्फ बेकिंग करने या फ्रिज की बदबू को दूर करने के ही काम नहीं आता, बल्कि यह स्किन का कलर साफ करने का कारगर उपाय है। यह त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाकर त्वचा को सौम्य व मुलायम बनाता है। यह पीएच बैलेंस भी बनाए रखता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा से कम तेल निकलता है, जिससे दाग-धब्बे हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं।

-दालचीनी जीवाणुरोधी मसाला है। इसका खूशबूदार फेसमास्क के रूप में इस्तेमाल कर मुंहासों व दाग-धब्बों से छुटकारा पाया जा सकता है। स्क्रब के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे त्वचा का रंग साफ होता है।

-शहद जीवाणुरोधी और एंटीसेप्टिक दोनों होता है। इसमें मौजूद गुण रोमछिद्रों को बंद करने वाले अशुद्धियों को हटाकर और जीवाणुओं को नष्ट कर दाग-धब्बों से छुटकारा दिलाने में सहायक होते हैं। मुंहासों से पड़े दाग-धब्बों को दूर करने में यह कारगर है। यह त्वचा का रंग साफ कर नमी बनाए रखने के साथ ही त्वचा में कसाव भी लाता है।

-एप्सोम साल्ट्स (मैग्नीशियम सल्फेट) दाग-धब्बों को आसानी से दूर करते हैं। यह मृत कोशिकाओं को हटाकर रोमछिद्रों को खोल देता है।

-अंडे के प्रोटीन से भरपूर एग व्हाइट (लिच्चिड) त्वचा के लिए काफी फायदेमंद है। इसे चेहरे पर लगाने से झुर्रियां मिट जाती हैं और त्वचा में कसाव आ जाता है। यह खासकर तैलीय त्वचा के लिए फायदेमंद है। यह दाग-धब्बों को हटाता है और सीबम को गहराई से निकालकर रोमछिद्रों को खोलता है।

हार्डवुड फ्लोर की करें सुरक्षा

सर्दियों के मौसम में हार्डवुड फ्लोर (लकड़ी से बने फर्श) को नुकसान पहुंचने की संभावना होती है। स्थायी रूप से मौसम के अनुकूल तापमान नियंत्रित करने वाले थर्मोस्टेट की सेटिंग कर लें और फर्श को नुकसान से बचाने के लिए अक्सर साफ करते रहें। भारत में डेनमार्क की फ्लोरिंग कंपनी जंकर्स के कंट्री मैनेजर सुरेश मनसुखानी ने लकड़ी के फर्श को सुरक्षित रखने संबंधी ये सुझाव दिए हैं :

कम नमी का स्तर होने पर वुड फ्लोर में संकुचन हो सकता है जिससे दरारे या फर्श के बीच में रिक्त स्थान बन जाता है, इसलिए घर में थर्मोस्टेट लगाना चाहिए, जिससे तापमान नियंत्रित रहे, अक्सर थर्मोस्टेट के तापमान को बढ़ाना या घटाना नहीं चाहिए। गंदे जूते अवांछित गंदगी का प्रमुख कारण बनते हैं। अपने फर्श की चमक को बरकरार रखने के लिए खुद के जूते शू रैक में रखें। अपने रिश्तेदारों और मित्रों से भी जूतों को दरवाजे पर खोल कर घर के अंदर आने का आग्रह करें।

घर के जिन हिस्सों में ज्यादा आवाजाही रहती है वहां फर्श पर कालीन, दरी या फ्लोर मैट बिछा दीजिए। इससे गंदे जूतों, गंदे पैरों के साथ गंदगी फैलने की संभावना कम हो जाती है। फर्श पर पानी, धूल, कीचड़ होने या नमक आदि गिर जाने पर इसे मुलायम तौलिया से साफ करें। धूल, मिट्टी से बचाने के लिए रोजाना वैक्यूम क्लीनर या झाड़ू से साफ करें क्योंकि ऐसा नहीं करने से फर्श पर निशान पड़ सकते हैं और फर्श की चमक भी खो सकती है। फर्श को साफ करने के लिए फ्लोर क्लीनर और चमक बनाए रखने के लिए अच्छी कंपनी का वैक्स पॉलिश का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

सर्दियों में भी पीएं खूब पानी!

सर्दियां अपने साथ स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव भी लेकर आती हैं, ऐसे में खुद को बीमारियों से कैसे बचाएं और सर्दियों का पूरा मजा कैसे लें, यह अच्छी तरह जान लेने की जरूरत है. चिकित्सक की सलाह है कि सर्दियों में खूब धूप सेकें, क्योंकि ऐसा न करना विटामिन-डी की कमी, अवसाद, जोड़ों के दर्द, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी का कारण बनता है. दिन की शुरुआत नाश्ते से पहले आधा लीटर पानी पीकर करें और हर घंटे बाद उचित मात्रा में पानी पीते रहें.

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मनोनीत अध्यक्ष डॉ.के.के. अग्रवाल ने कहा, यह माना हुआ तथ्य है कि सर्दियों में दिल और दिमाग के दौरे या कार्डियक अरेस्ट की वजह से मौतों के मामले बढ़ने लगते हैं. इसके कई कारण हैं. पहला तो दिन छोटे हो जाते हैं, जिससे हार्मोन में असंतुलन पैदा होता है और शरीर में विटामिन-डी की कमी आती है. इससे दिल और दिमाग के दौरे की आशंका रहती है.

उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम में दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल को रक्त और ऑक्सीजन की कमी हो जाती है. इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है. ठंडे मौसम में खास कर उम्रदराज लोगों को अवसाद घेर लेता है, जिससे उनमें तनाव और हाईपरटेंशन काफी बढ़ जाता है. सर्दियों के अवसाद से पीड़ित लोग अक्सर ज्यादा चीनी, ट्रांस फैट और सोडियम व ज्यादा कैलोरी वाला आरामदायक भोजन खाने लगते हैं जो डायबिटीज और हाईपरटेंशन से पीड़ित लोगों के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है.

इन बातों का रखें ध्यान:

अच्छी सेहत के लिए सॉल्युबल और इनसॉल्युबल फाइबर से भरपूर आहार लें जिसमें इसबगोल का छिलका, सेब, ओनब्रैन और दालें खाएं. इनसॉल्युबल में संपूर्ण अनाज, ब्रोकली, सूखे मेवे, सीडज और वेजीटेबल स्किन शामिल होते हैं. फाइबर कई गंभीर बीमारियों से रक्षा करता है. फाइबर अपच सिंड्रोम में भी मदद करता है.

उचित मात्रा में पानी पीने से ऊर्जा, मानसिक स्पष्टता और बेहतर पाचन बना रहता है. अपने दिन की शुरुआत नाश्ते से पहले आधा लीटर पानी पीकर करें और हर घंटे बाद उचित मात्रा में पानी पीते रहें.

कच्चे फल, सब्जियां, अंकुरित अनाज, सूखे मेवे, बीज और ताजा जड़ी बूटियां अपने आहार में शामिल करें. कच्चे आहार एनजाइम, विटामिन और रोग प्रतिरोधक एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं.

खूब धूप सेकें. 80 से 90 प्रतिशत लोग विटामिन-डी की कमी से पीड़ित हैं जो सर्दी के अवसाद, जोड़ों के दर्द, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी का कारण बनता है. इससे सर्दियों में काफी धूप लें.

अच्छे भोजन में सात रंग और 6 स्वाद शामिल होते हैं. लाल सेब लाइकोपीन, हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों में बी-कॉम्पलेक्स और नारंगी वस्तुओं से विटामिन-सी मिलता है. इसी तरह मीठे, कसैले और नमकीन स्वाद वजन बढ़ाते हैं, तीखे, खट्टे और कड़वे स्वाद वजन कम करते हैं. धूम्रपान वालों में अस्थमा और सांस की बीमारियां सर्दियों में आम हो जाती हैं, जो दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ाती हैं.(आरएनएस)

पौधों के जरिए शुद्ध करें घर की हवा

अपने घर के आसपास के वातावरण को पौधे लगाने के जरिए हरा-भरा और शुद्ध बनाएं रखने की सलाह हमेशा दी जाती है। एलोवेरा, स्पाइडर प्लांट जैसे पौधे हवा को शुद्ध करते हैं।

एलोवेरा (घृत कुमारी) कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड को अवशोषित कर लेता है। घर में लगाए जाने वाले लाभकारी पौधों में से यह एक है। यह ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाता है। ऐसा माना जाता है कि एक एलोवेरा का पौधा नौ एयर प्यूरीफायर (हवा को शुद्ध करने वाला उपकरण) के बराबर होता है। यह हर मौसम और मिट्टी में आसानी से लग जाता है। बैंबू (बांस) के पौधे को पर्याप्त सूरज की रोशनी की भी जरूरत नहीं होती और यह घर के अंदरूनी भागों जैसे कमरों आदि में रखे जाने पर भी आसानी से विकसित होता है। हवा को शुद्ध करने साथ ही यह घर में सौभाग्य भी लाता है। यह वातावरण को रोगाणु मुक्त भी रखता है। कम पानी में भी आसानी से लग जाने वाला यह पौधा नजदीकी पौधों के दुकानों में आसानी से मिल जाता है।

आइवी पौधा अपने रोपण के छह घंटे के भीतर ही हवा को शुद्ध करना शुरू कर देता है। यह हवा में मौजूद अवशिष्ट कणों को 58 प्रतिशत और हानिकारक विषाक्त कणों को 60 प्रतिशत तक दूर कर देता है।

स्पाइडर पौधा कम धूप में भी अच्छे से प्रकाश संश्लेषण करने के लिए जाना जाता है। यह कार्बन मोनोऑक्साइड, स्टेरीन और गैसोलीन को हटाकर हवा को शुद्ध करता है, जिससे बच्चे और वयस्क आराम से सांस ले सकते हैं। स्नेक पौधा भी सूरज की कम रोशनी में अच्छी तरह से प्रकाश संश्लेषण कर सकता है। शयनकक्ष में रखे जाने के लिए यह बिल्कुल उपयुक्त है, क्योंकि यह रात में भी ऑक्सीजन उत्सर्जित करता है। पीस लिली का पौधा हवा में मौजूद हानिकारक कणों और रोगाणुओं को दूर करके हवा शुद्ध करता है।

सरकार का आटा बेचना

अचानक सरकार को आटा बेचने की बात क्यों सूझी? अनुमान लगाया जा सकता है कि इसकी वजह कुछ महीनों के बाद होने वाला आम चुनाव है। चुनाव में महंगाई एक बड़ा मुद्दा ना बने, इसके लिए सरकार ने एहतियाती कदम उठाया है। आर्थिक नीतियों पर बात करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो खास कथन रहा है। एक तो यह कि सरकार को कारोबार में नहीं रहना चाहिए और दूसरा यह कि वे लोगों को खैरात पर निर्भर रखने के बजाय उन्हें आत्म-निर्भर बनाना चाहते हैँ। अब चूंकि मोदी को केंद्र की सत्ता में आए साढ़े नौ साल हो चुके हैं, इसलिए जब कभी उनकी सरकार इस सोच के खिलाफ काम करती दिखती है, तो उचित ही है कि उस पर सवाल उठाए जाते हैँ। ऐसे ही प्रश्न सरकार के आटा बेचने के फैसले से उठे हैं। केंद्र ने नाफेड के जरिए कम दाम पर आटा बेचने की शुरुआत कुछ महीने पहले की थी। उस समय 'भारत आटा' नाम की योजना प्रायोगिक पहल रूप में शुरू की गई थी। अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू कर दिया गया है। यह आटा केंद्रीय भंडार, नाफेड और एनसीसीएफ के केंद्रों और मोबाइल वैनों के जरिए जगह-जगह बेचा जाएगा। धीरे-धीरे इसे सहकारी केंद्रों और खुदरा दुकानों तक भी पहुंचाने की योजना है। प्रायोगिक पहल के समय इसका दाम 29.5० रुपये प्रति किलो था। अब कीमत दो रुपए और घटा दिया गया है। यानी सरकार इसे 27.5० रु. प्रति किलो की दर से बेचेगी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस समय खुले बाजार में आटा औसतत 35.99 प्रति किलो के दाम पर बिक रहा है। हालांकि अच्छी क्वालिटी का आटा इससे काफी महंगा है। तो अब सवाल उठा है कि अचानक सरकार को आटा बेचने की बात क्यों सूझी? अनुमान लगाया जा सकता है कि इसकी वजह कुछ महीनों के बाद होने वाला आम चुनाव है। चुनाव में महंगाई एक बड़ा मुद्दा ना बने, इसके लिए सरकार ने एहतियाती कदम उठाए हैँ। इसी के तहत रसोई गैस के सिलिंडर की कीमत में 2०० रु. की कटौती की गई थी। देश में खाने-पीने की चीजों के दाम लगातार बढ़े हुए हैं। सितंबर में कुल मिलाकर खुदरा मुद्रास्फीति 5.०2 प्रतिशत थी। लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति की दर 6.56 थी। तो अब सरकार ने एफसीआई के गोदामों से ढाई लाख मिट्रिक टन गेहूं अलग कर यह योजना शुरू की है। अब नजरें इसके असर को देखने पर टिकी हैं। (आरएनएस)

पलट गई पूरी कहानी

अब चूंकि 94 लाख परिवार अति गरीबी की अवस्था में हैं, तो बिहार के मुख्यमंत्री ने उनमें से हर परिवार को दो लाख रुपए देने की घोषणा की है। मगर इससे बिहार की स्थायी आर्थिक और शैक्षिक समस्याओं का समाधान कैसे निकलेगा, यह उन्होंने नहीं बताया है।

बिहार में सत्ताधारी महागठबंधन ने जातीय सर्वेक्षण करवा कर आने वाले चुनावों के लिए जो कथानक तैयार करना चाहा था, सर्वे से सामने आए आंकड़ों ने उसे पूरी तरह पलट दिया है। पहले तो बिहार की सामाजिक (यानी जातीय) संचरना के जो आंकड़े बीते दो अक्टूबर को जारी हुए, उनसे इस बारे में पहले से मौजूद धारणा में नाटकीय बदलाव का कोई स्रोत नहीं मिला। अब जो जाति-वार आर्थिक आंकड़े जारी हुए हैं, उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि असल में पूरा बिहार ही अपेक्षाकृत गरीब और पिछड़ा है। राज्य में मासिक छह हजार रुपए से कम पर गुजारा चलाने वाले परिवारों के लिहाज से देखें, तो सवर्ण और ओबीसी परिवारों की संख्या में फासला सिर्फ सात प्रतिशत का है। अगर 2० हजार रुपए से कम पर गुजारा चलाने वाले परिवारों पर गौर करें, तो यह फासला सिर्फ 3-4 प्रतिशत का रह जाता है। दूसरी तरफ बिहार में कुल सरकारी नौकरियां तकरीबन 16 लाख हैं, जिनमें से लगभग 1०लाख पहले से ही ओबीसी, दलित और आदिवासी समुदायों के पास हैं।

ऐसे में इन समुदायों के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ा कर 65 प्रतिशत करने का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एलान महज प्रतीकात्मक बन कर रह जाता है। अब चूंकि 94 लाख परिवार अति गरीबी की अवस्था में हैं, तो मुख्यमंत्री ने उनमें से हर परिवार को दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। मगर इससे बिहार की स्थायी आर्थिक और शैक्षिक समस्याओं का समाधान कैसे निकलेगा, यह उन्होंने नहीं बताया है। जाहिर है, यह रकम अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बजट में कटौती करके ही जुटाई जाएगी। इस तरह दीर्घकालिक विकास में निवेश की कीमत पर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दिलाने वाले कदम पर अमल किया जाएगा। यह कितना सही नजरिया है, इस पर बहस की गुंजाइश है। बहरहाल, अब यह प्रमुख सवाल उठा है कि बिहार की इस हालत के लिए जिम्मेदार कौन है? महागठबंधन में शामिल दल इस जवाबदेही से बच नहीं सकते। आखिर मंडलवादी दौर आने के बाद से बिहार की सत्ता उनके हाथ में ही रही है। और वे केंद्र की सत्ता में भी ज्यादातर समय तक भागीदार रहे हैँ। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सुबह के नाश्ते में इन बीजों का करें सेवन, स्वास्थ्य को मिलेंगे कई लाभ

सुबह का नाश्ता करना हम सभी के लिए जरूरी होता है क्योंकि यह पूरे दिन का सबसे जरूरी भोजन माना जाता है।ऐसे में सुबह के वक्त नाश्ते के रूप में सही और स्वस्थ डाइट को चुनना बहुत जरूरी है।इसके लिए आप अपनी डाइट में कई पोषक तत्वों से भरपूर बीजों को शामिल कर सकते हैं।आइये आज स्वास्थ्य टिप्स में ऐसे ही कुछ बीजों के बारे में जानते हैं।

चिया बीज

चिया बीज देखने में भले ही छोटे होते हैं, लेकिन सेहत पर इसका असर भरपूर होता है।इसमें डायटरी फाइबर, फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसका सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।इसके लिए आप इन्हें सुबह के नाश्ते में दही, स्मूदी और दलिया में मिलाकर खा सकते हैं। यह सेहत के साथ-साथ त्वचा की देखभाल के लिए भी अच्छा है।यहां जानिए चिया बीज के अन्य फायदे।

अलसी के बीज

अलसी के बीज अल्फा-लिनोलेनिक एसिड से भरपूर होते हैं, जो हृदय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है।इसके अलावा यह डायटरी फाइबर का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जो पाचन क्रिया में सुधार और उच्च ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।आप अलसी के बीजों को पीस लें और फिर इसके पाउडर को कॉफी में मिलाकर पीये।अलसी के बीज के अलावा इसके तेल से भी लाभ मिलते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सुबह के नाश्ते में आप सूरजमुखी के बीज को भी शामिल कर सकते हैं। यह आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।इसमें विटामिन-ई, एंटी-ऑक्सीडेंट, खनिज और मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो मांसपेशियों को मजबूत और तंत्रिका कार्यों में सुधार करते हैं।आप इस बीज को दही में मिलाकर खा सकते हैं या फिर इसे एवोकाडो टोस्ट के ऊपर डालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज को पेपिटास भी कहा जाता है। ऐसे लोग जो प्रोटीन से भरपूर नाश्ते का सेवन करते हैं, उन्हें इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।ये बीज आयरन, मैग्नीशियम और जिंक से भी भरपूर होते हैं, जिसके सेवन से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। सर्दियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए भी इसका सेवन किया जा सकता है।रोजाना 1०० ग्राम कद्दू के बीज के सेवन से ये फायदे मिलते हैं। (आरएनएस)

घर में सफाई के दौरान उडऩे वाली धूल पहुंचाती है नुकसान

घर में साफ सफाई सफाई के दौरान उडऩे वाली धूल और मिट्टी बहुत ज्यादा लोगों को बीमार कर डालती है। हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि सफाई के दौरान उडऩे वाली धूल और मिट्टी गले में जाकर शरीर को बीमार कर डालती है और इससे कई तरह की एलर्जी भी हो जाती है। चलिए जानते हैं कि सफाई के दौरान उडऩे वाली धूल मिट्टी से शरीर को क्या नुकसान होते हैं और इससे कैसे बचा जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि सफाई के दौरान कई तरह की धूल मिट्टी उड़ती है और ये हवा के जरिए नाक में चली जाती है। इससे शरीर के रेस्पिरेटरी सिस्टम को काफी नुकसान पहुंचता है। कई लोगों को धूल से एलर्जी होती है। ये धूल नाक के जरिए श्वसन प्रणाली में चली जाती है और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, सर्दी जुकाम, नेजल ब्लॉकेज जैसी परेशानियों का कारण बन जाती है। इतना ही नहीं अगर घर में पेंट हो रहा है तो इसमें मौजूद कैमिकल भी आपके रेस्पिरेटरी सिस्टम को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। पेंटिंग कलर में पाया जाने वाला बैंजीन उन लोगो को काफी नुकसान पहुंचाता है जिनको एलर्जी होती है। आप घर साफ करते समय खुद को सेफ रखें। अगर आपको धूल और मिट्टी से एलर्जी है तो आपको इस जगह से दूर रहना चाहिए। अगर आप खुद सफाई कर रहे हैं तो गीला कपड़ा नाक पर बांधकर सफाई करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -090

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

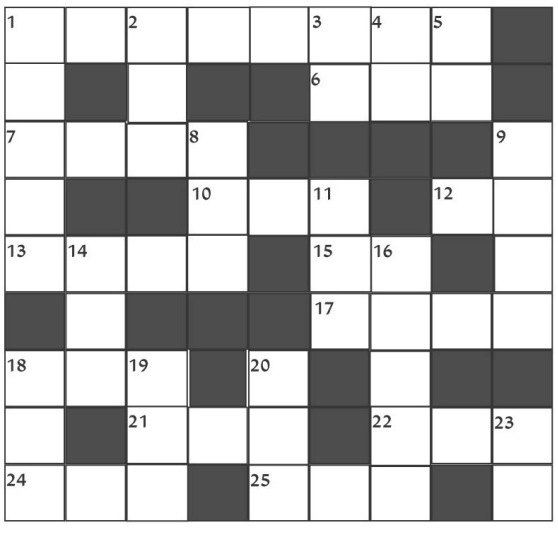

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

हाउसफुल 5 की टोली में शामिल हुई नोरा फतेही

अपने डांस से धूम मचाने वाली नोरा फतेही अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। अपनी खूबसूरती के चलते भी वह अक्सर चर्चा का विषय बनती हैं।नोरा को अब तक कई फिल्मों में देखा जा चुका है, लेकिन उनकी भूमिका महज फिल्म के गाने तक सीमित रही है। हालांकि, आने वाले दिनों में नोरा पर्दे पर बतौर अभिनेत्री अपना हुनर दिखाएंगी।खबर है कि वह अक्षय कुमार अभिनीत हाउसफुल 5 से जुड़ गई हैं और इसमें उनकी भूमिका बेहद अहम है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नोरा को हाउसफुल 5 का हिस्सा बना दिया गया है। फिल्म के सिलसिले में उनसे लगातार बातचीत चल रही है और इसमें उनकी भूमिका भी दमदार होगी। फिल्म में नोरा को पहले कभी ना देखा गया अवतार देखने को मिलेगा।वह अक्षय कुमार, रवीना टंडन और फिल्म के दूसरे कलाकारों की तरह अपनी कॉमेडी से दर्शकों को लोटपोट करती दिखेंगी। फिल्म में जल्द ही उनके नाम की घोषणा की जाएगी।

इस साल जून में सुपरहिट फ्रैंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त यानी हाउसफुल 5 का ऐलान हुआ था।अक्षय ने फिल्म का एक पोस्टर साझा करते हुए लिखा था, 5 गुना पागलपन के लिए तैयार रहें। आपके लिए लेकर आ रहे हैं हाउसफुल 5, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी तरुण मनसुखानी और प्रोडक्शन का काम साजिद नाडियाडवाला के जिम्मे हैं।2024 में दिवाली के मौके पर यह फिल्म रिलीज होगी। इस फिल्म में अक्षय के साथ रितेश देशमुख भी नजर आएंगे।

नोरा को साउथ की फिल्मों में हमेशा मेहमान भूमिका में ही देखा गया है। हालांकि, अब वह दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।उन्हें साउथ के मशहूर अभिनेता वरुण तेज की तेलुगु फिल्म मटका में देखा जाएगा। इसमें भी उनकी भूमिका शानदार होगी। इसके जरिए नोरा ने तेलुगु सिनेमा में कदम रखा है।करुणा कुमार के निर्देशन में बन रही यह 1960 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी।

वरुण हाल ही में शादी के बंधन में बंधे हैं। उनके पिता तेलुगु सिनेमा के अभिनेता और निर्माता नागेंद्र बाबू हैं। नागेंद्र सुपरस्टार चिरंजीवी और पवन कल्याण के भाई हैं। वरुण ने बतौर बाल कलाकार अपने पिता की फिल्म हैंड्सअप से शुरुआत की थी।

नोरा हिंदी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस की लीड एक्ट्रेस हैं। इस फिल्म के निर्देशक कुणाल खेमू हैं। उन्होंने इस फिल्म से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। फिल्म की कहानी काफी दिलचस्प है।दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म में नोरा पहली बार लीड रोल अदा करती दिखेंगी। नोरा खुद इस फिल्म से जुड?र खुश हैं और अभिनय जगत में अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। फरहान अख्तर और रितेश सिद्धवानी फिल्म के निर्माता हैं। (आरएनएस)

सलमान खान से जुड़े होने के कारण बढ़ा दबाव: अलीजेह अग्निहोत्री

सलमान खान की भांजी और फिल्ममेकर अतुल अग्निहोत्री की बेटी अलीजेह अग्निहोत्री बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। इन दिनों वह अपनी पहली फिल्म फर्रे का प्रचार कर रही हैं।अपने डेब्यू के लिए अलीजेह ने स्कूल पर आधारित इस क्राइम ड्रामा फिल्म को चुना।एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पहली फिल्म के साथ ही सलमान से जुड़े होने के दबाव पर भी बात की। उन्होंने पपराजियों से होने वाली असहजता के बारे में भी बताया।

अलीजेह ने बताया कि फर्रे उनका अपना चुनाव था। वह अपने डेब्यू के लिए कुछ अलग चुनना चाहती थीं, जिससे वह भीड़ में गुम न हो जाएं।उन्होंने कहा, यह व्यवसाय हर रोज बदलता है। अपनी पहचान बनाने के लिए आपको कुछ अप्रत्याशित करना होगा। मुझे खुशी है कि मुझे फर्रे मिली। मैं इससे काफी प्रभावित थी। मैं इस फिल्म का छोटा सा हिस्सा हूं। मैंने इसमें बहुत कुछ सीखा है।

सलमान से जुड़े होने पर उन्होंने कहा, हां इसका दबाव है, बहुत तनाव है। खासकर, अब जब हम फिल्म का प्रचार कर रहे हैं, तब मुझे यह दबाव महसूस होने लगा है। मैंने अब तक यह महसूस नहीं किया था।उन्होंने कहा कि यह दबाव तब और बढ़ जाता है, जब पपराजियों से सामना होता है। उन्होंने कहा, मैं सार्वजनिक तौर पर रहना ज्यादा पसंद नहीं करती, इसलिए मुझे नहीं पसंद कि मुझे हर जगह रिकॉर्ड किया जाए।

उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं पता लोग जिम से बाहर आते हुए भी इतने सुंदर कैसे दिखते हैं। मैं ऐसी नहीं दिखती हूं। मुझे जो भी सहज लगता है, मैं वो पहन लेती हूं। मैं अच्छी नहीं दिखती और मैं ऐसे ही बाहर आती हूं। सेट पर मेरे लिए आसान होता है। मुझे जितनी देर कहा जाए, मैं फोटोशूट कर सकती हूं, लेकिन उसके बाद नहीं। जब पपराजी आते हैं, तो पता नहीं क्या हो जाता है।

फर्रे 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो स्कूल में नकल करवाने वाले कुछ छात्रों पर आधारित है। इसका पहला गाना भी जारी हो चुका है।इसका निर्देशन वेब सीरीज जमतारा का निर्देशन कर चुके सोमेंद्र पाढ़ी ने किया है। फिल्म में अलीजेह के साथ जूही बब्बर, प्रसन्न बिष्ट, साहिल मेहता और रोनित रॉय भी नजर आएंगे।फिल्म का निर्माण अतुल अग्निहोत्री, सलमान और निखिल नमित ने किया है। (आरएनएस)

फिल्म टाइगर 3 में तौलिए वाला दृश्य शूट करना काफी मुश्किल था: कैटरीना कैफ

बॉलीवुड सुपरस्टार कैटरीना कैफ, जिनके टाइगर 3 में टॉवल फाइट सीक्वेंस ने कई लोगों का ध्यान खींचा है, ने बताया कि भारत में इससे पहले स्क्रीन पर दो महिलाओं का ऐसा कोई फाइट सीक्वेंस नहीं रहा है।

कैटरीना ने कहा, मुझे स्क्रीन पर जोखिम भरे एक्शन सीक्वेंस करना पसंद है और जब एक फीमेल एक्शन हीरोइन होने की बात आती है तो टाइगर फ्रेंचाइजी ने हमेशा मुझे चीजों को कई पायदान ऊपर ले जाने का मौका दिया है!

मैंने जोया के जरिए एक सुपर जासूस की लाइफ जी है और मुझे यह फैक्ट बहुत पसंद है कि वह एक फाइटर है! वह किसी को भी अपने साथ ले जा सकती है! यह मेरे और दर्शकों के लिए नया और रोमांचक है क्योंकि वे एक ऐसी महिला को देख सकते हैं जो एक पुरुष के बराबर ही लड़ सकती है।

उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि टाइगर 3 का हम्माम में टॉवल फाइट सीक्वेंस वायरल हो रहा है।

इसे शूट करना बहुत ही कठिन था, क्योंकि इसे भाप से भरे हम्माम के अंदर शूट करना था। इसमें पकडऩा, बचाव करना, घूंसा मारना और लात मारना सब कुछ बेहद मुश्किल रहा। इस शानदार सीन के बारे में सोचने के लिए फिल्म मेकर्स को सलाम। मुझे नहीं लगता कि भारत में स्क्रीन पर दो महिलाओं का ऐसा कोई फाइट सीक्वेंस रहा है। कैटरीना के लिए ये फाइट सीक्वेंस बेस्ट है।

उन्होंने आगे कहा, यह सबसे अच्छे एक्शन सीक्वेंस में से एक है, जिसे मैंने स्क्रीन पर महिलाओं को करते देखा है। यह बिल्कुल शानदार है। (आरएनएस)

शाहरुख ने अपने प्रशंसकों को दिखाई फिल्म डंकी से अपनी नई झलकियां

पठान और जवान के बाद अब शाहरुख खान की फिल्म डंकी को लेकर दर्शक बेसब्र हैं। उनकी इन दोनों ही फिल्मों ने दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार किया था।अब इंडस्ट्री से लेकर दर्शकों तक की नजर डंकी पर टिकी हैं, जिसका कुछ ही दिन पहले टीजर जारी हुआ था।अब धनतेरस के खास अवसर पर शाहरुख ने अपनी इस फिल्म के नए पोस्टर साझा किए हैं।

डंकी का निर्माण शाहरुख के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स के बैनर तले हुआ है।सोशल मीडिया पर इसकी नई झलकियां साझा कर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने लिखा, हार्डी (शाहरुख) के साथ त्योहारी सीजन का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि त्योहार का असली मजा तो अपनों के साथ ही आता है। एक पोस्टर में लिखा है, अपनों के साथ मनाएं दिवाली तो दूसरे पोस्टर में लिखा है, यह नया साल अपनों दे नाल।

फिल्म के पोस्टर साझा कर शाहरुख ने सोशल मीडिया पर लिखा, बिना ऐसे परिवार के कैसे होगी दिवाली और कैसा होगा नया साल? असली मजा तो साथ चलने, साथ रुकने और साथ ही जश्न मनाने में है। डंकी की पूरी दुनिया हैं ये उल्लू दे पट्ठे!डंकी का निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया है। हिरानी की फिल्में जितनी मनोरंजक होती हैं, डंकी उससे भी कहीं ज्यादा मनोरंजक होगी। इस फिल्म में विक्की कौशल भी एक अहम भूमिका निभा रहे हैं।

द आर्चीज:60 के दशक की कहानी में लगा प्यार और दोस्ती का तडका

काफी समय से दर्शकों को फिल्म द आर्चीज का इंतजार है। यह इसलिए भी सुर्खियों में है, क्योंकि इसके जरिए न सिर्फ शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान फिल्मी दुनिया में कदम रख रही हैं, बल्कि श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर भी बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रही हैं, वहीं अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की भी यह पहली फिल्म है।फिल्म के पोस्टर, टीजर और गाने के बाद अब इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है।

ट्रेलर देख ऐसा लगेगा जैसे आप 60 के दशक में चले गए हों। कलाकारों के कपड़ों से लेकर उनके हेयरस्टाइल तक को रेट्रो लुक दिया गया है।फिल्म में सुहाना, अगस्त्य और खुशी के बीच लव ट्राएंगल देखने को मिल रहा है, वहीं अभिनय के मामले में अगस्त्य सबसे ज्यादा प्रभावित करते हैं।इसमें दोस्तों की मस्ती से लेकर, डांस और कुछ दुखभरे पल भी हैं, जो कहानी को दिलचस्प बनाते हैं। फिल्म का संगीत सुनने में अच्छा लगता है।

द आर्चीज का निर्देशन जोया अख्तर ने किया है। इसमें आर्ची एंड्रयूज के किरदार में अगस्त्य, वेरोनिका लॉज के रूप में सुहाना खान, बेट्टी कपूर के किरदार में खुशी कपूर, जुगहेड जोन्स के रोल में मिहिर आहूजा, रेगी मेंटल के रूप में वेदांग रैना और एथेल मुग्स की भूमिका में अदिति सहगल शामिल हैं।फिल्म की कहानी कॉमिक बुक द आर्चीज के किरदार आर्ची एंड्रयूज और उसके दोस्तों पर आधारित है।यह फिल्म 7 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर आएगी।

जोया ने बताया कि सभी 6 सितारे द आर्चीज से ही अपनी शुरुआत कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें फिल्म की तैयारी के लिए कॉमिक्स पढऩे से लेकर 60 के दशक के संगीत सुनने और कई वर्कशॉप से गुजरना पड़ा। उन्होंने कहा, उन्होंने कॉमिक्स पढ़ी। मैंने उन्हें उस समय की फिल्में और गाने भी दिखाए। उन्होंने एक्टिंग वर्कशॉप, डांस वर्कशॉप, सिंगिंग वर्कशॉप के साथ स्केटिंग, स्विमिंग और साइक्लिंग भी की। उन्हें कैमरे की बारीकियों के बारे में भी बताया।

जोया ने 2009 में फिल्म लक बाई चांस से बॉलीवुड में अपने निर्देशन करियर की शुरुआत की थी और इसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था। वह जिंदगी न मिलेगी दोबारा और गली बॉय जैसी शानदार फिल्मों का निर्देशन कर चुकी हैं।

सुहाना द आर्चीज के बाद जाने-माने निर्देशक सुजॉय घोष की एक थ्रिलर फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसमें उनके पिता भी उनके साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म में शाहरुख की भूमिका उतनी बड़ी नहीं होगी।दूसरी ओर निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस के लिए वरुण धवन के बाद अब अगस्त्य का नाम तय हो चुका है, वहीं खुशी को आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ तमिल फिल्म लव टुडे के हिंदी रीमेक में देखा जाएगा।

स्थायी समस्या का मौसमी समाधान

अजीत द्विवेदी

दिल्ली और उत्तर भारत के ज्यादातर शहरों में प्रदूषण की समस्या चिरस्थायी है। हर साल सर्दियों में आसमान में धूल और धुंध की काली चादर छाई रहती है। धीरे धीरे बहुत छोटे आकार के बेहद नुकसानदेह धूल कण यानी पीएम 2.5 हवा में बढ़ते जा रहे हैं। साथ ही नाइट्रोजन हाइड्रोऑक्साइड यानी एनओ2 की मात्रा भी बढ़ती जा रही है, जो इस बात का संकेत है कि गाडियों के धुएं से होने वाले प्रदूषण को कम करने की सारी कोशिशें नाकाम हो गई हैं। ऐसा नहीं है कि सर्दियों के अलावा साल के बाकी समय में दिल्ली और उत्तर भारत के शहर प्रदूषण से मुक्त होते हैं। तब हवा थोड़ी साफ जरूर रहती है लेकिन वह मौसम की वजह से होती है। बारिश या तेज हवाओं की वजह से छोटे छोटे धूल कण हवा में ऊपर उठ जाते हैं, लटके नहीं रहते हैं इसलिए उनका असर थोड़ा कम रहता है।

प्रदूषण की इस समस्या के कई पहलू हैं। हवा के साथ साथ पानी भी प्रदूषित है क्योंकि नदियों की सफाई नहीं होती है और शहरों में गिनती के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट हैं, जिनसे समूची आबादी के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नामुमकिन है। रसायनिक खाद और कीटनाशक के इस्तेमाल से मिट्टी लगातार प्रदूषित होती जा रही है और खाद्य शृंखला भी प्रदूषित हो गई है। फूड चेन इतनी प्रदूषित हो गई है कि घरों में आने वाली सब्जियां हों या मांस-मछली, सब केमिकल से भरे हुए हैं। मरे हुए जानवरों की शरीर इतना जहरीला हो गया है कि उनका मांस खाकर कुत्ते पागल हो रहे हैं और शहरों-कस्बों में तांडव कर रहे हैं तो गिद्ध से लेकर कौओं तक की प्रजाति उन्हें खाकर समाप्त होती जा रही है। लेकिन हवा, पानी और खाद्य वस्तुओं में से किसी का प्रदूषण खत्म या कम करने के लिए कोई ठोस और दीर्घावधि की योजना नहीं बन रही है। प्रदूषण की चर्चा भी सिर्फ तभी होती है, जब सर्दियों में राजधानी दिल्ली के आसमान पर धूल और धुएं की परत चढ़ती है।

हर साल की सर्दियों की तरह अभी फिर दिल्ली की हवा जहरीली हो गई है। लोगों का दम घुट रहा है। अस्पतालों में सांस की बीमारी वाले मरीजों की संख्या बढने़ लगी है। जो सक्षम हैं वे दिल्ली से बाहर के अस्थायी ठिकानों पर चले गए हैं या जाने वाले हैं। सरकारें सक्रिय हो गई हैं और न्यायपालिक का भी मौखिक हथौड़ा चलने लगा है। लग रहा है जैसे यह सबसे बड़ी समस्या है, जिसका समाधान इस बार निकल कर रहेगा और अगर नहीं निकला तो जैसा कि सर्वोच्च अदालत ने कहा है, उसका बुलडोजर चलेगा और कई दिनों तक नहीं रूकेगा। लेकिन हकीकत यह है कि यह सब कुछ हर साल होता है। हर साल सर्दियों में वायु प्रदूषण बढने़ पर पुरानी गाडियों के दिल्ली में आने पर पाबंदी लगती है, पटाखों पर लगाई गई अदालती रोक को नए फैसले के जरिए दोहराया जाता है, पानी का छिडयाव शुरू होता है, बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं, वर्क फ्रॉम होम के लिए कहा जाता है और पार्टियां एक दूसरे के ऊपर आरोप लगाती हैं। इतने में दो महीने बीत जाते हैं और फिर इसके साथ ही प्रदूषण से हर साल होने वाली मौसमी लड़ाई समाप्त हो जाती है। इसके बाद पूरे साल कुछ नहीं किया जाता है। यह हर साल की कहानी है।

दिल्ली और समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में प्रदूषण के तीन मुख्य स्रोत हैं। पहला, पड़ोसी राज्यों में धान की फसल कटने के बाद उसके डंठल यानी पराली को जलाना। दूसरा, गाडियों का धुआं और तीसरा, उद्योग व निर्माण कार्यों से होने वाला प्रदूषण और सडय किनारे पड़ा कचरा। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण पर सुनवाई करते हुए पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तीनों राज्यों को पराली जलाने पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया। सर्वोच्च अदालत ने पंजाब को लेकर खासतौर से नाराजगी जताई। गौरतलब है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों को भरोसा दिलाया था कि पंजाब में उनकी सरकार बन गई तो वे पंजाब में पराली जलाने पर रोक लगा देंगे और दिल्ली के लोगों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराएंगे। लेकिन अब जबकि दिल्ली की हालात पहले से भी खराब हो गए है तो केजरीवाल और उनकी पूरी सरकार हरियाणा व उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार पर आरोप लगाने में जुट गई है। यह उनकी खासियत है कि वे हर बार गोल पोस्ट बदल देते हैं और हर गड़बड़ी का ठीकरा दूसरे पर फोडने़ लगते हैं। हकीकत यह है कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ बरसों में पराली जलाने की घटनाओं में बहुत कमी आई है। पंजाब में भी कुछ कमी आई है लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। तभी सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब से ज्यादा नाराजगी जताई। परंतु केजरीवाल और उनकी पार्टी पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। वे दो महीने का समय काट रहे हैं ताकि अपने आप हवा साफ हो जाए।

अगर सरकारें चाहें तो पराली जलाने की घटनाओं को बहुत कम कर सकती हैं। इसके लिए कई उपाय सुझाए गए हैं। धान की मौजूदा प्रजाति की जगह दूसरी प्रजाति की खेती को प्रोत्साहित करने का उपाय सुझाया गया है तो साथ ही धान की बजाय दूसरी फसल की खेती को प्रोत्साहित करने का सुझाव भी दिया गया है। अगर केंद्र सरकार दूसरी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी घोषित करती है, सरकारी खरीद की व्यवस्था बनाती है और राज्य सरकारें उस पर बोनस की घोषणा करती हैं तो किसान दूसरी फसल उपजाने की ओर अग्रसर होंगे। हिंदुत्व की राजनीति को साधने के लिए जिस तरह सरकारें गौमूत्र और गोबर खरीद रही हैं अगर उसी तरह से पराली खरीदने या उसके निपटान की कोई अन्य व्यवस्था करती हैं तो इस समस्या से आसानी से निजात पाई जा सकती है।

जहां तक गाडियों के धुएं का मामला है तो इसके लिए भी सरकारों को दीर्घावधि की योजनाएं बनानी होंगी। यह पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की तरह एक-दो महीने का मामला नहीं है, बल्कि पूरे साल चलने वाली समस्या है। इसलिए सरकारों को इस पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। स्वच्छ ईंधन से चलने वाली गाडियों को प्रोत्साहित करने के साथ साथ सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को ठीक करना होगा। यह रातों-रात होने वाला काम नहीं है। सरकारें इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों को प्रोत्साहित कर रही हैं लेकिन अभी इनकी कीमत ज्यादा है और इनके साथ कई व्यावहारिक समस्याएं भी हैं। उन्हें जल्दी से जल्दी दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। साथ साथ डीजल व पेट्रोल की गाडियों को सडय से हटाने के उपाय भी करने होंगे। भारत की मुश्किल यह है कि ऑटोमोबाइल की बिक्री का अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान होता है इसलिए भारत में स्कैंडिनेवियाई देशों की तरह गाड़ी खरीदने पर लाइसेंस और पार्किंग आदि अनिवार्य करने के नियम नहीं लागू किया जा सकता है। लेकिन सरकार चाहे तो सार्वजनिक परिवहन को बेहतर और सस्ता बना कर आम लोगों को उसके इस्तेमाल के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

प्रदूषण का तीसरा कारण औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं व कचरा और निर्माण कार्यों व सडय किनारे पड़े कचरे से उडने़ वाली धूल है। इसमें से सडय किनारे पड़े कचरे का निपटान तो स्थानीय निकायों को करना होता है और यह उनका निकम्मापन है, जो यह एक समस्या बनी हुई है। बाकी मसलों से निपटने का भी कोई शॉर्टकट रास्ता नहीं है। भारत जैसे विकासशील देश में न औद्योगिक इकाइयों को बंद किया जा सकता है और न निर्माण कार्यों को रोका जा सकता है। उनमें प्रदूषण कितना कम किया जा सकता है इसकी कोई दीर्घावधि की योजना बनानी होगी। कुल मिल कर प्रदूषण की समस्या चिरस्थायी और व्यापक है, जिससे निपटने के लिए मौसमी उपाय कारगर नहीं हो सकते हैं।

सू- दोकू क्र.090

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.89 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आरोप लगा, तो जांच हो

एपल की सूचना के मामले में भारत सरकार ने अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था। लेकिन ऐसे खंडनों से आरोपों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसलिए इस मामले की पूरी, निष्पक्ष जांच कराना अनिवार्य हो गया है, ताकि संदेह का साया छंट सके।

भारत में विपक्षी राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, और पत्रकारों की जासूसी करने के आरोप लगने का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब इल्जाम लगा है कि खोजी पत्रकारिता करने वाले एक समूह के सदस्य के आईफोन में सरकार समर्थित हैकरों ने स्पाइवेयर डालने की कोशिश की। आनंद मांगनाले उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने एपल कंपनी की ओर से हैकिंग की सूचना मिली थी। हालांकि ऐसी सूचना अनेक लोगो को प्राप्त हुई थी, लेकिन मांगनाले का मामला कुछ अलग है। वे इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट तक चले गए हैं। मंगनाले खोजी पत्रकारों के समूह ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रॉजेक्ट (ओसीसीआरपी) के लिए काम करते हैं। समूह के सह संस्थापक ड्रू सलिवन ने अमेरिका में एक समाचार एजेंसी को बताया कि मांगनाले के फोन के विश्लेषण से पता चला कि 23 अगस्त 2023 को उनके फोन में घुसपैठ की कोशिश की गई थी। इस कोशिश का संबंध इजराइली कंपनी एनएसओ के हैकिंग टूल पेगासस से पाया गया। बताया जाता है कि पेगासस का इस्तेमाल कर हैकर किसी के स्मार्टफोन पर पूरा नियंत्रण हासिल कर सकते हैं।

इसके बाद वे कॉल रिकॉर्ड कर सकते हैं, संदेश पढ़ सकते हैं, और फोन को जासूसी के पोर्टेबल उपकरण में तब्दील कर सकते हैं। ओसीसीआरपी खोजी पत्रकारों का एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। मांगनाले कॉरपोरेट फ्रॉड और सरकार के भ्रष्टाचार पर रिपोर्टिंग करते हैं। गौरतलब है कि मांगनाले और उनके सहकर्मी रवि नायर भारत में एक और मामले में फंसे हुए हैं। अगस्त 2023 में अडानी समूह पर लिखी गई उनकी रिपोर्ट ओसीसीआरपी की वेबसाइट पर छपी थी। इसके बाद अहमदाबाद पुलिस ने दोनों पत्रकारों के खिलाफ जांच शुरू कर दी थी। दोनों ने पुलिस के नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। तीन नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी थी। उसके बाद ओसीसीआरपी का ताजा आरोप सामने आया है। एपल की सूचना के मामले में भारत सरकार ने अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था। लेकिन ऐसे खंडनों से आरोपों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसलिए इस मामले की पूरी, निष्पक्ष जांच कराना अनिवार्य हो गया है, ताकि संदेह का साया छंट सके।(आरएनएस)

सान्या मल्होत्रा की मिसेज का प्रीमियर टालिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल में होगा, टीजर जारी

सान्या मल्होत्रा को पिछली बार शाहरुख खान की फिल्म जवान में देखा गया था, जो सुपरहिट साबित हुई।इन दिनों सान्या अपनी आगामी फिल्म सैम बहादुर को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी।इसके अलावा सान्या मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन के हिंदी संस्करण में अभिनय करती दिखाई देंगी, जिसका नाम मिसेज रखा गया है।मिसेज का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें वह एक गृहिणी की भूमिका में नजर आ रही हैं।

यह सशक्त कहानी एक विवाहित लड?ी के जीवन पर प्रकाश डालती है, जो रसोई और घर के कामों के बीच अपनी पहचान तलाशती है, जिसे फिल्म फेस्टिवल में क्रिटिक्स पिक कॉम्पिटिशन श्रेणी के तहत भी चुना गया है। फिल्म का निर्देशन आरती कदव ने किया है, जिसमें निशांत धैया और कंवलजीत सिंह और अन्य कलाकार भी हैं।

इसका निर्देशन आरती कडव ने किया है तो वहीं पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और ज्योतिदेश पांडे इस फिल्म के निर्माता हैं।मिसेज में सान्या के अलावा निशांत दहिया और कंवलजीत सिंह जैसे कलाकार भी हैं। निर्माताओं ने टीजर के साथ मिसेज से सान्या का पहला लुक साझा किया है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

सिलक्यारा हादसा: पुलिस व आपदा मोचन बलों द्वारा की गयी मॉक ड्रिल

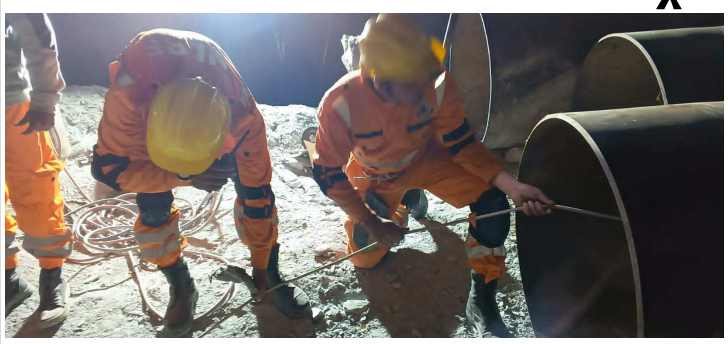

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा-पॉल गॉव टनल में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने की कवायद तेज गति से चल रही है। टनल में हैवी ड्रिलिंग मशीन से ड्रिलिंग की कार्यवाही युद्धस्तर पर चल रही है। मौके पर तैनात पुलिस व आपदामोचन बल पुरे तरीके से अलर्ट है, टनल के सेव पेच में पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, मेडिकल टीमों व अन्य आपदामोचन बलों द्वारा श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने व जरुरत पडने पर अन्य आपातालीन कवायदों का मॉक ड्रिल करवाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी अर्पण यदुवंशी द्वारा बताया गया कि टनल में अत्याधुनिक मशीनों की मदद से ड्रिलिंग का काम तेज गति से चल रहा है, अन्दर फंसे सभी श्रमिक सुरक्षित हैं, श्रमिकों को समय-समय पर रसद, पानी व ऑक्सीजन की सप्लाई की जा रही है, साथ ही उनका मनोबल बनाये रखने के लिये परिजनों से लगातार बातचीत करवाई जा रही है।

पुलिस हेल्प डेस्क से भी परिजनों से सम्पर्क साधकर पल-पल की अपडेट दी जी गही है। यहां पर ड्रिलिंग की कार्यवाही पुरी होने के उपरान्त रेस्क्यू के अगले चरण यानि पाईप के माध्यम से श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने व जरुरत पडने पर उनको त्वरित आपातकालीन सहायता मुहैया करवाने के लिये पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, मेडिकल व अन्य आपदामोचन बलों का मॉक ड्रिल करवाया जा रहा है, जिससे सभी आपदा मोचन बलों मे एक बेहतर समन्वय बना है तथा किसी भी आपात दशा में सभी साथ मिलकर एक त्वरित व जरुरी सेवा दे सकेंगे।

उन्होने बताया कि साईट पर हमारी पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीवी व अन्य आपदामोचन बलों की टुकडियां 24 घण्टे मुस्तैद हैं, किसी भी आपात स्थिति में त्वरित रेस्क्यू सेवाएं दी जायेगी। प्रथमिक उपचार हेतु साईट के बाहर ही मेडिकल सहायता केन्द्र बनाये गये हैं।

रेस्क्यू कार्य में फिर आई रुकावट...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मलबे में दबी मशीन के आने की बात कही जा रही है लेकिन फिलहाल देर रात से ही काम रुका हुआ है इस बीच इंदौर से एक और ड्रिलिंग मशीन मंगवाने की बात कहे जाने से यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि मशीन में कोई तकनीकी दिक्कत आ गई है। वही यह भी कहा जा रहा है कि इंदौर से मशीन मंगवाने का उद्देश्य स्टैंड बाय में एक मशीन रखा जाना है, जिससे काम रुके नहीं। आज दोपहर बाद एक बार फिर से ड्रिलिंग का काम शुरू होने की बात भी कही गई है। लेकिन स्थिति की सही जानकारी को लेकर भ्रम की ही स्थिति बनी हुई है।

एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशु मलिक का कहना है कि घबराने की कोई बात नहीं है। सभी श्रमिक सकुशल है तथा काम जारी है। 24 मीटर पाइप डाला जा चुका है और संभावित लक्ष्य से हम सिर्फ 30 या 35 मीटर ही दूर है। उनके द्वारा इंदौर से एक आगर मशीन एयरलिफ्ट कर लाये जाने की जानकारी देते हुए बताया गया है कि कल तक इस मशीन को इंस्टॉलेशन कर तैयार कर लिया जाएगा जिससे एक मशीन खराब होने की स्थिति में भी काम जारी रखा जा सके। उन्होंने समय सीमा के बारे में कुछ भी कहने से मना करते हुए कहा है कि ऐसा कोई दावा नहीं किया जा सकता है कि काम कब तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हम अभी सिर्फ यही कह सकते हैं कि सुरंग में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया जाएगा यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि रेस्क्यू के काम में थाईलैंड व नार्वे के विशेषज्ञों की राय भी ली जा रही है।

उल्लेखनीय है कि 12 नवंबर की रात सुबह 4 बजे हुए इस हादसे में यह मजदूर सुरंग में फंस गए थे। पहले 2 दिन सुरंग से मलवा हटाकर इन्हें बाहर निकलने का प्रयास किया गया जो असफल रहा। इसके बाद फिर दून से आगर मशीन से ड्रिलिंग कर पाइप बिछाने की कोशिश में 2 दिन का समय चला गया जब यह प्रयास असफल हो गया तब दिल्ली से हाई पावर आगर ड्रिल मशीन एयर लिफ्ट कर मंगाई गई, जिसने कल काम शुरू किया जो आज अटक गया। अब इंदौर से दूसरी मशीन मंगवाने की बात हो रही है ऐसी स्थिति में समय के लगातार बढ़ने व कार्य में अपेक्षित प्रगति न होने से सुरंग में फंसे मजदूरों पर जीवन संकट तो गहराता जा ही रहा है इसके साथ ही परिजनों की चिंता और लोगों का आक्रोश भी लगातार बढ़ता जा रहा है। अभी सभी के जहन में बस यही सवाल है कि आखिर यह रेस्क्यू कार्य का पूरा होगा और सुरंग में फंसे मजदूर कब बाहर आ सकेंगे।

एसीएस रतूड़ी ने सिल्क्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया

संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लेते हुए अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष में पहुंचकर उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया तथा महत्वपूर्ण निर्देश दिए। एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने सिल्क्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की अद्यतन स्थिति एवं टनल में फंसे श्रमिकों की कुशलक्षेम की जानकारी ली। आपदा नियंत्रण कक्ष में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी को जानकारी दी गई कि ढही हुई सुरंग के 40 मीटर के लिए शॉटक्रेटिंग के साथ खुदाई का कार्य प्रगति पर है। बाएं और दाएं दोनों तरफ शीर्ष से 10 मीटर ऊपर गुहा बन गई है, सुरंग के साथ चिमनी का निर्माण शुरू हो गया है। अतिरिक्त शॉटक्रीट मशीन को आरवीएनएल पैकेज-प्प्प् से कार्य स्थल पर स्थानांतरित किया गया है। प्राधिकरण अभियंता, टीम लीडर, आरवीएनएल से भूवैज्ञानिक निदेशक, एनएचआईडीसीएल के निदेशक (ए एण्ड एफ), निदेशक (टी) और कार्यकारी निदेशक (टी) और तथा सीजीएम, एनएचएआई के भू-तकनीकी विशेषज्ञों ने ढहने वाली जगह का समय-समय पर दौरा किया है। रात भर और उसके बाद सभी विकल्पों पर विचार किया गया तथा परिणामस्वरूप जो विकल्प कार्यान्वयन के अधीन है उसके तहत अंदर फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए हाइड्रोलिक जैक की मदद से 900 मिमी व्यास वाले एमएस स्टील पाइप को धक्का देना। अधिकारियों द्वारा एसीएस श्रीमती रतूड़ी को जानकारी दी गई कि सुरंग के अंदर फंसे कार्यबल के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, छोटे भोजन के पैकेट भी संपीड़ित हवा के साथ एक पाइप के माध्यम से सुरंग के अंदर भेजे गए हैं। श्रमिकों द्वारा खाद्य सामग्री प्राप्त होने की पुष्टि की गई है। श्रमिकों द्वारा बताया गया है कि वे सभी फंसे हुए श्रमिक सुरक्षित हैं।

स्टील पाइप को सफलतापूर्वक पुश करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा कार्य की प्रगति की निगरानी की जा रही है। एनएचआईडीसीएल के निदेशक (ए एंड एफ), निदेशक (टी), कार्यकारी निदेशक (पी) और बीआरओ, एनएचएआई, आरवीएनएल, राइट्स, भारतीय रेलवे, यूएसबीआरएल, इरकॉन, केआरसीएल, प्राधिकरण के इंजीनियर, मेसर्स नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, एसजेवीएनएल के विशेषज्ञ और डिजाइनर मेसर्स बर्नार्ड बचाव अभियान की नजदीकी निगरानी एवं श्रमिकों की जल्द निकासी के लिए साइट पर मौजूद हैं।

स्कूल के प्रिंसिपल व स्टाफ पर मारपीट करने का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। स्कूल के प्रिंसिपल व स्टाफ पर मारपीट कर स्कूल से बाहर निकालने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पैसेफिक गोल्फ स्टेट सहस्त्रधारा रोड निवासी सेवानिवृत्त कर्नल रोहित मिश्रा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा विहान मिश्रा जोकि डीपीएस स्कूल कालांगांव सहस्त्रधारा रोड में कक्षा ग्यारहवीं का छात्र है।

दसवी कक्षा में उसके पुत्र के 80 प्रतिशत से ऊपर नम्बर आये थे। उसके पुत्र को एनईपी के तहत 80 प्रतिशत से ज्यादा नम्बर होने के बावजूद स्कूल ने उसको होमलेस विषय के साथ मैथ विषय दिया अब अर्द्धवार्षिक सत्र होने के बाद बिना बताये मैथ से निकाल दिया। इसी विषय पर जब वह प्रिंसिपल बीके सिंह से मिलने गया तो उन्होंने उसको अगले दिन आने को कहा। वह अगले दिन गया तो उसको बाहर बैठाये रखा। उसने जब उनसे मिलने के लिए कहा कि उसके बच्चे का भविष्य खराब हो जायेगा तो प्रिंसिपल ने उसके ऊपर भडकते हुए मारपीट करनी शुरू कर दी और सिक्योरिटी गार्ड को बुलाकर उसको व उसके बेटे को स्कूल से बाहर निकाल दिया।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका राज्य सरकार का पुतला

संवाददाता

देहरादून। रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में पडी डकैती का खुलासा ना होने पर महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर राज्य सरकार का पुतला फूंका।

आज यहां नौ नवम्बर को रिलायंस ज्वेलरी शोरूम में हुई बीस करोड़ की डकैती को राज्य सरकार की विफलता और ध्वस्त कानून व्यवस्था का परिणाम बताते हुए महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और राज्य सरकार का पुतला फूंका। उन्होंने कहा कि राज्य की राजधानी में, और राजधानी के केंद्रीय क्षेत्र में जहाँ महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान अवस्थित हैं, तथा राज्य की स्थापना दिवस के दिन और जिस दिन देश की राष्ट्रपति भी शहर में थीं, ऐसी डकैती की घटना स्पष्ट संकेत है कि धामी सरकार न तो कानून व्यवस्था संभाल पा रही है न शासन- प्रशासन। मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि वे राज्य में इन्वेस्टर समिट कराने जा रहे हैं, क्या डकैती की ऐसी घटना से वो निवेशकों को संदेश दे रहे है। आठ दिन बाद भी पुलिस चोरों को पकड़ना तो दूर, उनके बारे में कुछ पता तक नहीं कर पाई है। विगत महीनों में देहरादून शहर लगातार सरकार की उपेक्षा झेल रहा है।

प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा पहले शहर ने डेंगू की विकराल समस्या झेली और कई लोगों की असामयिक मृत्यु हुई। सरकार केवल डेंगू से हुई जनहानि को छुपाने में लगी रही। उसके बाद रजिस्ट्री घोटाले सामने आए और अब इतनी बड़ी डकैती का मामला, तो ऐसे में सरकारी तन्त्र की प्रभावी मौजूदगी कहीं नहीं दिखती और लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। कांग्रेस अब इस तरह के मामलों पर चुप नहीं बैठेगी। मामले में दोषी जल्द गिरफ्तार न हुए तो बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूरण सिंह रावत, मनीष नागपाल, अभिषेक तिवारी, प्रमोद गुप्ता, मोहन जोशी, अरुण बालोनी, लकी राणा, राजेश पुंडीर, सुरेंद्र रावत, रहीस अहमद, देवी सिंह नेगी, अरविंद गुरुंग, ललित बद्री, मंजू त्रिपाठी, पूनम कंडारी आदि उपस्थित थे।

एक नजर

गाजा पट्टी के अल-शिफा अस्पताल के नीचे मिला सुरंग

नई दिल्ली। गाजा पट्टी के सबसे बड़े अल-शिफा अस्पताल के नीचे से सुरंग मिल गया है, जिसके नीचे से हमास के आतंकवादी इजराइली सैनिकों पर हमला कर रहे थे। इजराइली सेना ने कहा है, कि गाजा के अल शिफा अस्पताल में हमास आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किया गया एक सुरंग शाफ्ट मिला है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है, कि शुक्रवार को मिस्र के साथ राफा क्रॉसिंग के माध्यम से फिलिस्तीनियों को कोई सहायता नहीं दी जाएगी। इजराइली सेना ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें कहा गया है, कि गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल शिफा के बाहरी इलाके में एक सुरंग का प्रवेश द्वार मिल गया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली सेना के इस वीडियो को फिलहाल सत्यापित नहीं किया गया है, जिसमें जमीन में एक गहरा गड्ढा दिखाया गया है, जो कंक्रीट और लकड़ी के मलबे और रेत से घिरा हुआ है। ऐसा मालूम होता है, कि क्षेत्र की खुदाई की गई थी और बैकग्राउंड पृष्ठभूमि में एक बुलडोजर दिखाई दिया। इजराइली सेना ने कहा, कि उसके सैनिकों को अस्पताल में एक गाड़ी भी मिली है, जिसमें बड़ी संख्या में हथियार थे। हमास ने गुरुवार देर रात एक बयान में कहा, कि पेंटागन और अमेरिकी विदेश विभाग का दावा है, कि समूह सैन्य उद्देश्यों के लिए अल शिफा का उपयोग करता है, एक स्पष्ट रूप से झूठी कहानी है।

दिल्ली में रविवार को शराब की दुकानें बंद रहेंगी !

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने छठ पूजा वाले दिन को ड्राई डे घोषित कर दिया है। दिल्ली के आबकारी विभाग के कमिश्नर ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि 19 नवंबर रविवार को लाइसेंसधारी शराब दुकानें बंद रहेंगी। इसी दिन विश्व कप फाइनल मैच भी होगा। बता दें कि दिल्ली में पूर्वांचल की बड़ी आबादी निवास करती है, जो राजनीतिक पार्टियों के लिए एक बड़ा वोटबैंक भी है। बीते महीने कांग्रेस के नेताओं ने उपराज्यपाल से मिलकर छठ पूजा के दिन ड्राई डे घोषित करने की मांग भी की थी। छठ पूजा को लेकर आम आदमी पार्टी की ओर से कहा गया है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने इस साल छठ पूजा के लिए 10 सूत्रीय योजना तैयार की है। छठ को लेकर घाटों का निर्माण और घाटों पर रोशनी व शौचालय सुविधाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। आप एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा है कि छठ महापर्व के लिए तैयारियां की गईं हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 10 सूत्रीय योजना की घोषणा की है। सुबह और रात में रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। हर घाट पर शौचालय की सुविधा होगी। घाटों पर पानी की व्यवस्था की जा रही है। इसी के साथ एंबुलेंस भी तैनात की जाएगी, ताकि किसी भी मेडिकल इमरजेंसी में कोई परेशानी न हो। वहां डॉक्टर भी मौजूद रहेंगे।

बाबर आजम पाक एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ करेंगे शादी!

नई दिल्ली। हानिया आमिर ये नाम आपने भले ही हिंदुस्तान में ज्यादा न सुना हो,लेकिन सरहद पार इस नाम की धूम मची हुई है। इंटरनेट सेंसेशन से एक्ट्रेस बनी ये हसीना पाकिस्तानी इंडस्ट्री का हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन इन दिनों हानिया आमिर किसी और वजह को लेकर चर्चा में बनी हुई है। वर्ल्ड कप के बीच हानिया आमिर के कुछ फैंस ने ये अफवाह फैला दी है कि वह पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम को डेट कर रही हैं। हालांकि हानिया और बाबर दोनों इन अफवाहों पर खामोश बने हुए हैं। बता दें कि ये अफवाहें बेवजह नहीं है। पिछले दिनों दोनों का एक इंटरव्यू वायरल हुआ था। जिसमें बाबर आजम और हानिया आमिर दोनों एक-दूसरे की तारीफों के पुल बांधते हुए नजर आ रहे थे। हालांकि ये तारीफ सिर्फ इस तरह थी कि एक पब्लिक फिगर दूसरे सेलिब्रेटी को एडमायर कर रहा हो। इस बीच वर्ल्ड कप के दौरान एक फैन एडिट लिंक वायरल हुई जिसमें दोनों को एक दूसरे से लिंक बताया गया है और उनके डेट करने की भी गुजारिश की गई। इसके लिए पाकिस्तानी फैंस ने हानिया और बाबर के इंटरव्यू के एक क्लिप का इस्तेमाल किया। जिसमें हानिया आमिर बाबर आजम को खुद से ज्यादा क्यूट बता रही हैं और बाबर आजम हानिया के साथ फिल्म में काम करने की ख्वाहिश जाहिर कर रहे हैं।

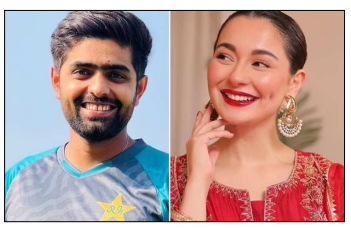

चंदन की लकड़ी का अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, चंदन की डाट बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। चंदन की लकड़ी की तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर पुलिस ने एक चंदन तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से चुरायी गयी चंदन की डाट व लकड़ी चुराने के अन्य औजार भी बरामद किये गये है। मामले में एक अन्य तस्कर फरार है जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपी पूर्व में भी यूपी व उत्तराखण्ड से चंदन की लकड़ियों की तस्करी में जेल जा चुका है।

जानकारी के अनुसार बीते 14 नवम्बर को विमल राय पुत्र मनोरंजन राय निवासी वार्ड नंबर 9 थाना दिनेशपुर जनपद उधम सिंह नगर द्वारा थाना दिनेशपुर में तहरीर देकर बतया गया कि 12 नवम्बर की रात उनके आवास के पास स्थित तालाब के किनारे लगे एक चंदन के पेड़ को अज्ञात चोर काट कर ले गए हैं। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चंदन की लकड़ी चोरी व तस्करी करने वालों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को अथक प्रयासों के बाद देर शाम सूचना मिली कि 12 नवम्बर की रात दिनेशपुर से जिस लकड़ी तस्कर द्वारा चंदन की लकड़ी को काट कर ले जाया गया है उसको तस्कर द्वारा अंधुआ नदी के पास छिपाया गया है तथा वह तस्कर अभी आनंद खेड़ा के पास खड़ा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस जब बताये गये स्थान आनंद खेड़ा पर पहुंची तो उसे वहां एक व्यक्ति खड़ा दिखाई दिया। जिसके पास एक बैग मौजूद था। पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए उसे हिरासत में ले लिया गया। बैग की तलाशी में उसमें रखे लकड़ी काटने के औजार बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम कमल ढाली पुत्र स्वर्गीय अशोक ढाली निवासी सूरज फार्म अशोक नगर मानपुर ओझा थाना बिलासपुर जिला रामपुर उत्तर प्रदेश बताया। बताया कि उसके द्वारा 12 नवम्बर की रात को दिनेशपुर से चंदन के पेड़ को अपने साथी विजय निवासी प्लानटेशन थाना दिनेशपुर के साथ मिलकर काटकर उसकी चोरी की गई थी। मैने अपने हिस्से की चन्दन की लकडी का गिल्टा अंधुवा नदी के किनारे छिपाया तथा विजय अपने हिस्से के गिल्टे के साथ घटना के बाद अपने घर चला गया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चंदन की लकड़ी के 42 इंच लंबे गिलटे को बरामद किया गया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी कमल ढाली के खिलाफ जनपद नैनीताल व उत्तर प्रदेश में भी चंदन की लकड़ी तस्करी के मुकदमें दर्ज है तथा वह नैनीताल में चंदन की लकड़ी चोरी करने पर हल्द्वानी जेल से एक महीने पहले ही जमानत पर आया हुआ है। बहरहाल पुलिस अब दूसरे तस्कर की तलाश में दबिश दे रही है।

❑एक फरार, तलाश में छापेमारी जारी

चोरी किये गये जिम के सामान के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी गये जिम के सामान के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 नवम्बर को तनवीर आलम पुत्र फरीद अहमद निवासी मोहिनी रोड, डालनवाला, ने आकर कोतवाली में आकर प्रार्थना पत्र दिया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके बलबीर रोड निकट देना बैंक आराघर स्थित घर से जिम की मशीनों की 11-11 रोडें, 40-40 किलो वजन के दो डम्बल, 7.5 किलो के दो डम्बल चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना का खुलासा करते हुए पुलिस द्वारा घटना में शामिल 03 आरोपियों शाहनवाज पुत्र इरशाद, नईम पुत्र सलीम, शाबाज पुत्र वली मौहम्मद को बलबीर रोड़ लास्ट रैन बसेरे के गेट से चोरी किये माल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वे सभी नशे के आदी हैं तथा नशे की पूर्ति के लिए उनके द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

रिलायंस ज्वैलरी शोरूम डकैती प्रकरण

बिहार से दो बदमाशों को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर दून पुलिस रवाना

संवाददाता

देहरादून। रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में करोडों की डकैती प्रकरण में दून पुलिस ने दो बदमाशों को बिहार से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर दून के लिए रवाना हो गयी है।

उल्लेखनीय है कि नौ नवम्बर को सुबह साढे दस बजे हथियारबंद बदमाशों ने राजपुर रोड पर स्थित रिलायंस ज्वैलरी शोरूम पर धावा बोलकर वहां पर कर्मचारियों को बंधक बनाकर वहां से करोडों रूपये के सोने, चांदी हीरे के जेवरात लूट लिये थे। जिसके बाद बदमाश आराम से वहां से फरार हो गये। घटना का पता चलते ही पुलिस विभाग में हडकम्प मच गया और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के पश्चात कई टीमें गठित कर बिहार, पंजाब, हरियाणा सहित कई प्रदेशों में दबिश दी लेकिन बदमाशों का कुछ पता नही चल सका। घटना के आठ दिन बाद पुलिस के हाथ में बिहार में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। जिन्होंने अपने नाम अमृत कुमार व विशाल कुमार बताये तथा दोनों ने घटना में शामिल होने की बात कबूल की। पुलिस ने दोनों को बिहार की हाजीपुर कोर्ट में पेश किया जहां से पुलिस द्वारा उनको ट्रांजिट रिमांड लिया गया। दून पुलिस द्वारा दोनों बदमाशों को ट्रांजिट रिमांड पर देहरादून लाया जा रहा है। जहां उनका पुलिस कस्टडी रिमांड लेकर उनसे घटना के सम्बन्ध में विस्तृत पूछताछ की जाएगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।